Paper I st "Social change and Social control"

Dr. Subhi Dhusia
Professor
subhiguss@gmail.com

Scanned by CamScanner

सामाजिक नियंत्रण का अभिकरण : परिवार

ऑगस्त कॉम्ट ने परिवार को समाज की एक ~~आवश्यक~~ आधारभूत इकाई माना है। मैकाइवर - पेज "Society" में परिवार की परिभाषा देते हुए कहते हैं - "परिवार एक ऐसा समूह है जो यौन सम्बन्धों पर आश्रित है तथा इतना छोटा और सामंजस्यपूर्ण है कि सन्तान के जन्म और पालन-पोषण की व्यवस्था करने की क्षमता रखता है।"

ऑगबर्न - निमकॉफ "A Handbook of Sociology" के अनुसार "परिवार लगभग एक स्थायी समिति है, जो पति-पत्नी से निर्मित होती है, चाहे उनके सन्तान हो अथवा न हो।"

सार रूप में कह सकते हैं कि "परिवार पति-पत्नी, बच्चों तथा निकट सुविधियों का अपेक्षाकृत एक स्थायी संगठन है जिसे विवाह, सन्तानोत्पत्ति और वंशनाम के आधार पर व्यवस्थित रखा जाता है।"

परिवार की विशेषता के तौर पर प्रमुख बिन्दु हैं - सर्वव्यापकता, सीमित आकार, रचनात्मक एवं भावनात्मक आधार, सामान्य निवास, यौन-सम्बंध, सामाजिक नियम, परिवार निर्माण का आधार विवाह एवं रक्त।

सामाजिक नियंत्रण में परिवार की भूमिका

1. सामाजीकरण द्वारा नियंत्रण - समाज द्वारा मान्य विधि-विधानों की शिक्षा बच्चों को परिवार में ही दी जाती है। यह प्रक्रिया समाजीकरण कहलाती है। परिवार ही बच्चे को समाज

Scanned by CamScanner

में भागीदारी के लिए तैयार करता है और संस्कृति का बोध कराता है। परिवार में पारिवारिक सदस्यों के स्नेह के कारण ही मनुष्य की पाशविक प्रवृत्ति का दमन होता है

2- पारिवारिक नियमों द्वारा नियंत्रण : परिवार अपने नियमों के माध्यम से ही अपने सदस्यों को अनुशासित करता है। परिवार के नियम चार प्रकार से नियंत्रण की स्थापना करते हैं

क- प्रत्येक परिवार में विवाह से संबंधित कुछ मर्यादाएं और निषेध होते हैं। इन नियमों से परे होने की बात असभ्य मनुष्य नहीं करता

(ख)- साधारणतया परिवार विवाह-विच्छेद की अनुमति नहीं देते, अतः अपने उद्वेगों एवं व्यवहारों पर नियंत्रण रखकर परिवार को संगठित बनाए रखने का प्रयत्न किया जाता है।

(ग) परिवार अपने सदस्यों को सांस्कृतिक मूल्यों का पालन करना सीखाता है जिससे व्यक्ति समाज-विरोधी कृत्य की ओर प्रवृत्त नहीं होता।

(घ) परिवार का एक अन्य नियम यौन प्रवृत्ति पर नियंत्रण है, जिससे व्यक्तियों को पारस्परिक ~~संबंध~~ संघर्षों से बचाया जा सके।

(3) समायोजन द्वारा नियंत्रण : परिवार अपने सदस्यों को एक-दूसरे के प्रति समायोजन करना सीखाता है और उन्हें यह बताता है कि कौन से परिवर्तन स्वीकार करना चाहिए, कौन से नहीं। सामाजिक परिवर्तन से उत्पन्न स्थितियों में नियंत्रण ~~रख~~ रखने में हमारी पारिवारिक व्यवस्था ने काफी योगदान किया है।

(4) शिक्षा द्वारा नियंत्रण — परिवार अपने सदस्यों

Scanned by CamScanner

को अनेक ~~आप~~ अनौपचारिक साधनों यथा- पौराणिक गाथाओं, कहानियों, सुझावों, हास्य-व्यंग्य आदि के द्वारा शिक्षा प्रदान करके उनके व्यवहार पर नियंत्रण रखती है। पारिवारिक शिक्षा नैतिकता, उचित और अनुचित की धारणा से प्रभावित होती है।

5 <u>पारिवारिक दायित्वों द्वारा नियंत्रण</u> : दायित्व व्यक्ति को उत्तरदायी सदस्य बनाता है। कोलमन का कथन है कि 'परिवार में जो माता-पिता बच्चों के पालन-पोषण का जितना अधिक ध्यान रखते हैं, बच्चों का व्यवहार सामाजिक रूप से उतना ही नियंत्रित होता है।' इस कथन के दो अर्थ निकलते हैं, पहला- बच्चों के पालन-पोषण का दायित्व इतना महत्वपूर्ण है कि यह व्यक्ति के व्यवहार को खुद ही नियंत्रित कर देता है, दूसरा- बच्चे को परिवार में जो माहौल मिला, प्रतिदान में वह भी वही व्यवहार करता है। पारिवारिक दायित्वों को पूरा करने के लिए ही व्यक्ति सामाजिक नियमों का पालन करता है।

6. <u>सुरक्षा द्वारा नियंत्रण</u> : विश्व में परिवार ही एकमात्र वह संस्था है जो दुर्घटना, बीमारी, वृद्धावस्था, बेकारी या किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपने सदस्यों को निःशुल्क, निःस्वार्थ सेवा प्रदान करती है। यह स्थिति सदस्यों को स्वयं में नियंत्रित रखती है क्योंकि उन्हें पता है कि परिवार- विरोधी, संस्कृति विरोधी कार्य करने पर सुरक्षा का यह तन्त्र छिन सकता है।

Scanned by CamScanner